नव भारत भोपाल
2 6 JUN 2023

बीएसईएच हरियाणा ने किया समझौता

5 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा सार्टिफिकेट

नवभारत न्यूज

भोपाल, 25 जून. क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा.

इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ. बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वीपी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे.

तीन साल के लिए हुआ एग्रीमेंट

यह एग्रीमेन्ट दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे. सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी. बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा.

हरियाणा सरकार के साथ अनोखी पहल

क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि, हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है. भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे. आईटी के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है. संस्था को केपेबिलिटी मैच्युरिटी इंटीग्रेशन स्तर 5 का प्रमाणन भी प्राप्त है, जिसे आईटी और ई-गवर्नेंस क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रमाणन माना जाता है.

पत्रिका, भोपाल
2 6 JUN 2023

हरियाणा बोर्ड को क्रिस्प देगा सेवा

भोपाल @पत्रिका. सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) व हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग व ऑनलाइन सत्यापन सेवा के लिए अनुबंध हुआ। क्रिस्प हरियाणा को ब्लॉकचैन तकनीक से सर्टिफिकेट व सत्यापन सेवा देगा। इस दौरान भेल अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव व क्रिस्प निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे।

दैनिक हरिभूमि, भोपाल
26 JUN 2023

क्रिस्प की ब्लॉकचेन तकनीक से 5 लाख छात्रों को देंगे सर्टिफिकेट

भोपाल। क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिए क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे। इस एग्रीमेन्ट से प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे।

दैनिक मध्य स्वदेश, भोपाल

2 6 JUN 2023

एमओयू

क्रिस्प, म.प्र. और बीएसईएच हरियाणा ने किया समझौता

क्रिस्प हरियाणा के 5 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

मध्य स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे। सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर

ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी। बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा। क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि,हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे। आई. टी. के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। संस्था को केपेबिलिटी मैच्युरिटी इंटीग्रेशन स्तर 5 का प्रमाणन भी प्राप्त है, जिसे आई. टी और ई-गवर्नेंस क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रमाणन माना जाता है। अमोल वैद्य, ने बताया कि ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली का उद्देश्य पहचान की चोरी से संबंधित धोखाधड़ी से बचाएगा।

कौशल विकास का पर्याय

क्रिस्प के आई टी प्रमुख संदीप जैन ने बताया कि क्रिस्प मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी विभिन्न विभागों को अत्याधुनिक आईटी-सक्षम सेवाएँ प्रदान कर रहा है। उद्देश्य क्रिस्प को कौशल विकास का पर्याय बनाना है। क्रिस्प, शिक्षा प्रणाली में ऐसी उन्नत तकनीक लाने के लिए भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहा है। प्रमाणन प्रणाली किसी भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अपनी तरह का पहला कार्यान्वयन है, जो बीएसई हरियाणा द्वारा उम्मीदवार को एक विकेंद्रीकृत मैकेनिज्म के माध्यम से इंडिविजुअल/विशिष्ट डेटा को सत्यापित करते हुए रिकॉर्ड की प्रामाणिकता प्रदान करेगा।

THE HITAVADA, BHOPAL
2 6 JUN 2023

CRISP, MP will provide digital certificates with block chain technology to 5 lakh students from Haryana

■ Staff Reporter

CENTRE for Research and Industrial Staff Performance (CRISP), Madhya Pradesh will provide digital certificate printing and online verification service to Haryana School Education Board with self-developed blockchain technology. For this, an agreement was signed between CRISP, Madhya Pradesh and School Education Board of Haryana on 22 June. Dr. VP Yadav, Chairman, BSEH, and Shri Amol Vaidya, Director, CRISP were present.

This agreement has been signed between both the institutions for 3 years, in which certificates will be prepared for more than 5 lakh candidates who have passed regular and supplementary examinations every year. The processing of the certificate will be done after the blockchain digital certificate is generated using public blockchain technology. Encrypted digital certificates will also be given to students for online verification through BSEH's website, wherein the Board will also have a provision for printing physical copies of the records using the encrypted records.

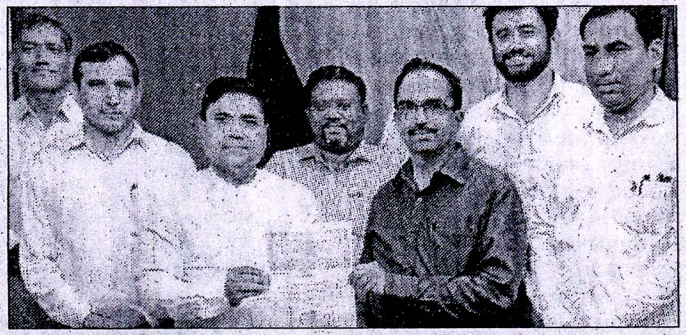

An agreement signed between CRISP, MP and School Education Board of Haryana on June 22. Dr VP Yadav, Chairman, BSEH, and Amol Vaidya, Director, CRISP are seen present.

Dr. Shrikant Patil, Managing Director, CRISP, said, "This is a first of its kind initiative with the Government of Haryana, using the blockchain technology developed by CRISP for the betterment of the students. In future we will also work with different states of India. Crisp is continuously creating new records in the field of IT. The organisation is also certified for Capability Maturity Integration Level 5, which is considered to be the best certification in the IT and e-Governance sector."

Amol Vaidya, Director, CRISP explained that the blockchain-based authentication system is aimed at preventing fraudulent activities related to identity theft and giving correct certificates to students.

Sandeep Jain, IT Head, CRISP informed that CRISP is providing ultramodern IT-enabled services to various departments in Madhya Pradesh and other states as well. The objective is to make CRISP synonymous with skill development.

CRISP is working with various universities across India to bring such advanced technology in the education system. The blockchain-based certification system is the first of its kind to be implemented in any secondary education board, which will provide authenticity of records by BSE Haryana by verifying the individual/specific data of the candidate through a decentralized mechanism. Centre for Research and Industrial Staff Performance (CRISP) has been working in the field of Training, Research and Skill Development for the last 27 years. This institute also provides solutions in IT sector. CRISP, the futuristic technology lab, has been developing advanced IT solutions using blockchain/AI/ML/robotic automation and other futuristic technologies.

THE PIONEER, BHOPAL
26 JUN 2023

Haryana will give digital certificates to 5 lakh students with the blockchain tech

STAFF REPORTER ■ BHOPAL

Centre for Research and Industrial Staff Performance (CRISP), Madhya Pradesh will provide digital certificate printing and online verification service to Haryana School Education Board with self-developed blockchain technology. For this, an agreement was signed between CRISP, Madhya Pradesh and School Education Board of Haryana on 22 June. Dr. VP Yadav, Chairman, BSEH, and Amol Vaidya, Director, CRISP were present.

Shrikant Patil, Managing Director, CRISP, said, "This is a first of its kind initiative with the Government of Haryana, using the blockchain technology developed by CRISP for the betterment of the students. In future we will also work with different states of India. Crisp is continuously creating new records in the field of IT. The organisation is also certified for Capability Maturity Integration Level 5, which is considered to be the best certification in the IT and e-Governance sector."

Amol Vaidya, Director, CRISP explained that the blockchain-based authentication system is aimed at preventing fraudulent activities related to identity theft and giving correct certificates to students.

Sandeep Jain, IT Head, CRISP informed that CRISP is providing ultramodern IT-enabled services to various departments in Madhya Pradesh and other states as well. The objective is to make CRISP synonymous with skill development.

CRISP is working with various universities across India to bring such advanced technology in the education system. The blockchain-based certification system is the first of its kind to be implemented in any secondary education board, which will provide authenticity of records by BSE Haryana by verifying the individual/specific data of the candidate through a decentralized mechanism.

Centre for Research and Industrial Staff Performance (CRISP) has been working in the field of Training, Research and Skill Development for the last 27 years. This institute also provides solutions in IT sector. CRISP, the futuristic technology lab, has been developing advanced IT solutions using blockchain/AI/ML/robotic automation and other futuristic technologies.

दैनिक नई दुनिया, भोपाल
2 6 JUN 2023

स्पेशल खबर क्रिस्प की ब्लॉकचेन तकनीक से....

हरियाणा पांच लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

भोपाल (काप्र)।

क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा।

इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे। अमोल वैद्य, निदेशक, क्रिस्प ने बताया कि ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली का उद्देश्य पहचान की चोरी से संबंधित धोखाधड़ी गतिविधियों से बचाव करना और छात्रों को सही प्रमाण-पत्र देना है। क्रिस्प के आई टी प्रमुख संदीप जैन ने बताया कि क्रिस्प मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी विभिन्न विभागों को अत्याधुनिक आईटी-सक्षम सेवाएँ प्रदान कर रहा है। उद्देश्य क्रिस्प को कौशल विकास का पर्याय बनाना है। यह एग्रीमेन्ट दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे। सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी। बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की

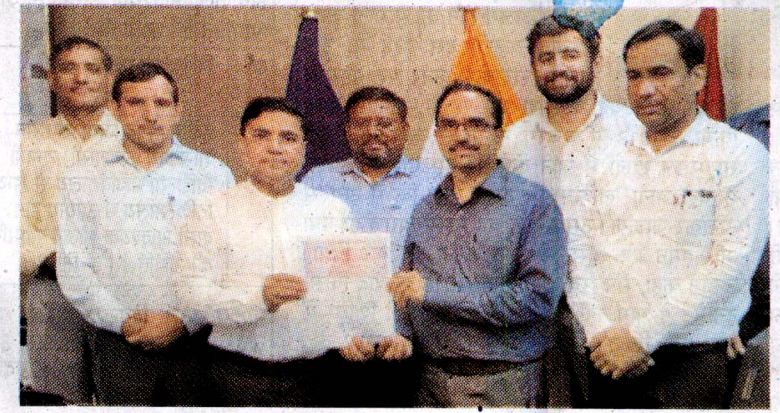

भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा।

क्रिस्प, शिक्षा प्रणाली में ऐसी उन्नत तकनीक लाने के लिए भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहा है। ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली किसी भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अपनी तरह का पहला कार्यान्वयन है, जो बीएसई हरियाणा द्वारा उम्मीदवार को एक विकेंद्रीकृत मैकेनिज्म के माध्यम से इंडिविजुअल/ विशिष्ट डेटा को सत्यापित करते हुए रिकॉर्ड की प्रामाणिकता प्रदान करेगा। सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) प्रशिक्षण, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में पिछले 27 वर्षों से काम करता आ रहा है। यह संस्थान आईटी क्षेत्र में समाधान भी प्रदान करता है। क्रिस्प, भविष्यवादी प्रौद्योगिकी लैब, ब्लॉकचेन/ एआई/ एमएल/ रोबोटिक ऑटोमेशन और अन्य भविष्य की प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उन्नत आईटी समाधान विकसित करता आ रहा है।

दै. देशबंधु, भोपाल
2 6 JUN 2023

क्रिस्प, म.प्र. और बीएसईएच हरियाणा ने किया समझौता

मप्र की ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा 5 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

भोपाल, देशबन्धु। क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक श्री अमोल वैद्य मौजूद रहे।

क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि, हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे। आई. टी. के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। संस्था को केपेबिलिटी मैच्युरिटी इंटीग्रेशन स्तर 5 का

प्रमाणन भी प्राप्त है, जिसे आई. टी और ई-गवर्नेंस क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रमाणन माना जाता है। अमोल वैद्य, निदेशक, क्रिस्प ने बताया कि ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली का उद्देश्य पहचान की चोरी से संबंधित धोखाधड़ी गतिविधियों से बचाव करना और छात्रों को सही प्रमाण-पत्र देना है। क्रिस्प के आई टी प्रमुख श्री संदीप जैन ने बताया कि क्रिस्प मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी विभिन्न विभागों को अत्याधुनिक आईटी-सक्षम सेवाएँ प्रदान कर रहा है। उद्देश्य क्रिस्प को कौशल विकास का पर्याय बनाना है। क्रिस्प, शिक्षा प्रणाली में ऐसी उन्नत तकनीक लाने के लिए भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहा है। ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली किसी भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अपनी तरह का पहला कार्यान्वयन है, जो बीएसई हरियाणा द्वारा उम्मीदवार को एक विकेंद्रीकृत मैकेनिज्म के माध्यम से इंडिविजुअल/ विशिष्ट डेटा को सत्यापित करते हुए रिकॉर्ड की प्रामाणिकता प्रदान करेगा। सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) प्रशिक्षण, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में पिछले 27 वर्षों से काम करता आ रहा है। यह संस्थान आईटी क्षेत्र में समाधान भी प्रदान करता है। क्रिस्प, भविष्यवादी प्रौद्योगिकी लैब, ब्लॉकचेन/ एआई/ एमएल/ रोबोटिक ऑटोमेशन और अन्य भविष्य की प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उन्नत आईटी समाधान विकसित करता आ रहा है।

दैनिक स्वदेश, भोपाल
26 JUN 2023

क्रिस्प, मप्र की ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा 5 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

भोपाल। क्रिस्प मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे। यह एग्रीमेन्ट दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे। सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी। बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एनक्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एनक्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा। क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि, हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे। आईटी के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है।

दैनिक सत्ता सुधार, भोपाल
2 6 JUN 2023

क्रिस्प, मप्र की ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा 5 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

क्रिस्प, मप्र और बीएसईएच हरियाणा ने किया समझौता

सत्ता सुधार ■ भोपाल

क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे। यह एग्रीमेन्ट दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे। सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी। बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा।

हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल : क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि, हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे। आईटी के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। संस्था को केपेबिलिटी मैच्युरिटी इंटीग्रेशन स्तर 5 का प्रमाणन भी प्राप्त है, जिसे आईटी और ई-गवर्नेंस क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रमाणन माना जाता है।

दैनिक एल.एन. स्टार, भोपाल
2 6 JUN 2023

क्रिस्प, म.प्र. की ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा 5 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

क्रिस्प, म.प्र. और बीएसईएच हरियाणा ने किया समझौता

भोपाल (नप्र)। क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक श्री अमोल वैद्य मौजूद रहे।

यह एग्रीमेन्ट दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे। सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी। बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा।

क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि, हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे। आई. टी. के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। संस्था को केपेबिलिटी मैच्युरिटी इंटीग्रेशन स्तर 5 का प्रमाणन भी प्राप्त है, जिसे आई. टी और ई-गवर्नेंस क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रमाणन माना जाता है।

श्री अमोल वैद्य, निदेशक, क्रिस्प ने बताया कि ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली का उद्देश्य पहचान की चोरी से संबंधित धोखाधड़ी गतिविधियों से बचाव करना और छात्रों को सही प्रमाण-पत्र देना है।

क्रिस्प के आई टी प्रमुख श्री संदीप जैन ने बताया कि क्रिस्प मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी विभिन्न विभागों को अत्याधुनिक आईटी-सक्षम सेवाएँ प्रदान कर रहा है। उद्देश्य क्रिस्प को कौशल विकास का पर्याय बनाना है।

क्रिस्प, शिक्षा प्रणाली में ऐसी उन्नत तकनीक लाने के लिए भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहा है। ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली किसी भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अपनी तरह का पहला कार्यान्वयन है, जो बीएसई हरियाणा द्वारा उम्मीदवार को एक विकेंद्रीकृत मैकेनिज्म के माध्यम से इंडिविजुअल/ विशिष्ट डेटा को सत्यापित करते हुए रिकॉर्ड की प्रामाणिकता प्रदान करेगा।

सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) प्रशिक्षण, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में पिछले 27 वर्षों से काम करता आ रहा है। यह संस्थान आईटी क्षेत्र में समाधान भी प्रदान करता है। क्रिस्प, भविष्यवादी प्रौद्योगिकी लैब, ब्लॉकचेन/ एआई/ एमएल/ रोबोटिक ऑटोमेशन और अन्य भविष्य की प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उन्नत आईटी समाधान विकसित करता आ रहा है।

दैनिक लोकोत्तर, भोपाल
2 6 JUN 2023

क्रिस्प, मप्र की ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा 5 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

लोकोत्तर समाचार सेवा ■ भोपाल
www.elokottar.in

क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे।यह एग्रीमेन्ट दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे। सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी। बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा।क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि, ₹हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे। आई. टी. के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। संस्था को केपेबिलिटी मैच्युरिटी इंटीग्रेशन स्तर 5 का प्रमाणन भी प्राप्त है, जिसे आई. टी और ई-गवर्नेंस क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रमाणन माना जाता है।अमोल वैद्य, निदेशक, क्रिस्प ने बताया कि ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली का उद्देश्य पहचान की चोरी से संबंधित धोखाधड़ी गतिविधियों से बचाव करना और छात्रों को सही प्रमाण-पत्र देना है।क्रिस्प के आई टी प्रमुख संदीप जैन ने बताया कि क्रिस्प मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी विभिन्न विभागों को अत्याधुनिक आईटी-सक्षम सेवाएँ प्रदान कर रहा है। उद्देश्य क्रिस्प को कौशल विकास का पर्याय बनाना है।क्रिस्प, शिक्षा प्रणाली में ऐसी उन्नत तकनीक लाने के लिए भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहा है। ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली किसी भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अपनी तरह का पहला कार्यान्वयन है, जो बीएसई हरियाणा द्वारा उम्मीदवार को एक विकेंद्रीकृत मैकेनिज्म के माध्यम से इंडिविजुअल/ विशिष्ट डेटा को सत्यापित करते हुए रिकॉर्ड की प्रामाणिकता प्रदान करेगा।सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) प्रशिक्षण, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में पिछले 27 वर्षों से काम करता आ रहा है। यह संस्थान आईटी क्षेत्र में समाधान भी प्रदान करता है। क्रिस्प, भविष्यवादी प्रौद्योगिकी लैब, ब्लॉकचेन/ एआई/ एमएल/ रोबोटिक ऑटोमेशन और अन्य भविष्य की प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उन्नत आईटी समाधान विकसित करता आ रहा है।